

لقاء العصر (102) منزلة السنة من القرآن

خالد المصلح

يقول المصنف رحمة الله تعالى بباب الامر باداء الامانة وعن حذيفة بن اليمان رضي الله عنه قال حدثنا رسول الله صلى الله عليه وسلم 00:00:00 حديثين قد رأيت احدهما انا انتظر الاخر حدثنا ان الامانة نزلت في في جذر قلوب الرجال. ثم نزل القرآن فعلموا من 00:00:25 وعلموا من السنة. الحمد لله رب العالمين واصلني واسلم على نبينا محمد وعلى الله واصحابه اجمعين اما بعد هذا الحديث الشريف حديث حذيفة رضي الله تعالى عنه يخبر فيه عن فضل الله تعالى على عباده 00:00:45 00:01:02 00:01:49 00:02:08 00:02:26 00:02:50 00:03:02 00:03:27 00:03:50 00:04:15 00:04:31 00:04:45 00:05:15 00:05:45 00:06:15 00:06:45 00:07:15 00:07:45 00:08:15 00:08:45 00:09:15 00:09:45 00:10:15 00:10:45 00:11:15 00:11:45 00:12:15 00:12:45 00:13:15 00:13:45 00:14:15 00:14:45 00:15:15 00:15:45 00:16:15 00:16:45 00:17:15 00:17:45 00:18:15 00:18:45 00:19:15 00:19:45 00:20:15 00:20:45 00:21:15 00:21:45 00:22:15 00:22:45 00:23:15 00:23:45 00:24:15 00:24:45 00:25:15 00:25:45 00:26:15 00:26:45 00:27:15 00:27:45 00:28:15 00:28:45 00:29:15 00:29:45 00:30:15 00:30:45 00:31:15 00:31:45 00:32:15 00:32:45 00:33:15 00:33:45 00:34:15 00:34:45 00:35:15 00:35:45 00:36:15 00:36:45 00:37:15 00:37:45 00:38:15 00:38:45 00:39:15 00:39:45 00:40:15 00:40:45 00:41:15 00:41:45 00:42:15 00:42:45 00:43:15 00:43:45 00:44:15 00:44:45 00:45:15 00:45:45 00:46:15 00:46:45 00:47:15 00:47:45 00:48:15 00:48:45 00:49:15 00:49:45 00:50:15 00:50:45 00:51:15 00:51:45 00:52:15 00:52:45 00:53:15 00:53:45 00:54:15 00:54:45 00:55:15 00:55:45 00:56:15 00:56:45 00:57:15 00:57:45 00:58:15 00:58:45 00:59:15 00:59:45 00:60:15 00:60:45 00:61:15 00:61:45 00:62:15 00:62:45 00:63:15 00:63:45 00:64:15 00:64:45 00:65:15 00:65:45 00:66:15 00:66:45 00:67:15 00:67:45 00:68:15 00:68:45 00:69:15 00:69:45 00:70:15 00:70:45 00:71:15 00:71:45 00:72:15 00:72:45 00:73:15 00:73:45 00:74:15 00:74:45 00:75:15 00:75:45 00:76:15 00:76:45 00:77:15 00:77:45 00:78:15 00:78:45 00:79:15 00:79:45 00:80:15 00:80:45 00:81:15 00:81:45 00:82:15 00:82:45 00:83:15 00:83:45 00:84:15 00:84:45 00:85:15 00:85:45 00:86:15 00:86:45 00:87:15 00:87:45 00:88:15 00:88:45 00:89:15 00:89:45 00:90:15 00:90:45 00:91:15 00:91:45 00:92:15 00:92:45 00:93:15 00:93:45 00:94:15 00:94:45 00:95:15 00:95:45 00:96:15 00:96:45 00:97:15 00:97:45 00:98:15 00:98:45 00:99:15 00:99:45 00:100:15 00:100:45 00:101:15 00:101:45 00:102:15 00:102:45 00:103:15 00:103:45 00:104:15 00:104:45 00:105:15 00:105:45 00:106:15 00:106:45 00:107:15 00:107:45 00:108:15 00:108:45 00:109:15 00:109:45 00:110:15 00:110:45 00:111:15 00:111:45 00:112:15 00:112:45 00:113:15 00:113:45 00:114:15 00:114:45 00:115:15 00:115:45 00:116:15 00:116:45 00:117:15 00:117:45 00:118:15 00:118:45 00:119:15 00:119:45 00:120:15 00:120:45 00:121:15 00:121:45 00:122:15 00:122:45 00:123:15 00:123:45 00:124:15 00:124:45 00:125:15 00:125:45 00:126:15 00:126:45 00:127:15 00:127:45 00:128:15 00:128:45 00:129:15 00:129:45 00:130:15 00:130:45 00:131:15 00:131:45 00:132:15 00:132:45 00:133:15 00:133:45 00:134:15 00:134:45 00:135:15 00:135:45 00:136:15 00:136:45 00:137:15 00:137:45 00:138:15 00:138:45 00:139:15 00:139:45 00:140:15 00:140:45 00:141:15 00:141:45 00:142:15 00:142:45 00:143:15 00:143:45 00:144:15 00:144:45 00:145:15 00:145:45 00:146:15 00:146:45 00:147:15 00:147:45 00:148:15 00:148:45 00:149:15 00:149:45 00:150:15 00:150:45 00:151:15 00:151:45 00:152:15 00:152:45 00:153:15 00:153:45 00:154:15 00:154:45 00:155:15 00:155:45 00:156:15 00:156:45 00:157:15 00:157:45 00:158:15 00:158:45 00:159:15 00:159:45 00:160:15 00:160:45 00:161:15 00:161:45 00:162:15 00:162:45 00:163:15 00:163:45 00:164:15 00:164:45 00:165:15 00:165:45 00:166:15 00:166:45 00:167:15 00:167:45 00:168:15 00:168:45 00:169:15 00:169:45 00:170:15 00:170:45 00:171:15 00:171:45 00:172:15 00:172:45 00:173:15 00:173:45 00:174:15 00:174:45 00:175:15 00:175:45 00:176:15 00:176:45 00:177:15 00:177:45 00:178:15 00:178:45 00:179:15 00:179:45 00:180:15 00:180:45 00:181:15 00:181:45 00:182:15 00:182:45 00:183:15 00:183:45 00:184:15 00:184:45 00:185:15 00:185:45 00:186:15 00:186:45 00:187:15 00:187:45 00:188:15 00:188:45 00:189:15 00:189:45 00:190:15 00:190:45 00:191:15 00:191:45 00:192:15 00:192:45 00:193:15 00:193:45 00:194:15 00:194:45 00:195:15 00:195:45 00:196:15 00:196:45 00:197:15 00:197:45 00:198:15 00:198:45 00:199:15 00:199:45 00:200:15 00:200:45 00:201:15 00:201:45 00:202:15 00:202:45 00:203:15 00:203:45 00:204:15 00:204:45 00:205:15 00:205:45 00:206:15 00:206:45 00:207:15 00:207:45 00:208:15 00:208:45 00:209:15 00:209:45 00:210:15 00:210:45 00:211:15 00:211:45 00:212:15 00:212:45 00:213:15 00:213:45 00:214:15 00:214:45 00:215:15 00:215:45 00:216:15 00:216:45 00:217:15 00:217:45 00:218:15 00:218:45 00:219:15 00:219:45 00:220:15 00:220:45 00:221:15 00:221:45 00:222:15 00:222:45 00:223:15 00:223:45 00:224:15 00:224:45 00:225:15 00:225:45 00:226:15 00:226:45 00:227:15 00:227:45 00:228:15 00:228:45 00:229:15 00:229:45 00:230:15 00:230:45 00:231:15 00:231:45 00:232:15 00:232:45 00:233:15 00:233:45 00:234:15 00:234:45 00:235:15 00:235:45 00:236:15 00:236:45 00:237:15 00:237:45 00:238:15 00:238:45 00:239:15 00:239:45 00:240:15 00:240:45 00:241:15 00:241:45 00:242:15 00:242:45 00:243:15 00:243:45 00:244:15 00:244:45 00:245:15 00:245:45 00:246:15 00:246:45 00:247:15 00:247:45 00:248:15 00:248:45 00:249:15 00:249:45 00:250:15 00:250:45 00:251:15 00:251:45 00:252:15 00:252:45 00:253:15 00:253:45 00:254:15 00:254:45 00:255:15 00:255:45 00:256:15 00:256:45 00:257:15 00:257:45 00:258:15 00:258:45 00:259:15 00:259:45 00:260:15 00:260:45 00:261:15 00:261:45 00:262:15 00:262:45 00:263:15 00:263:45 00:264:15 00:264:45 00:265:15 00:265:45 00:266:15 00:266:45 00:267:15 00:267:45 00:268:15 00:268:45 00:269:15 00:269:45 00:270:15 00:270:45 00:271:15 00:271:45 00:272:15 00:272:45 00:273:15 00:273:45 00:274:15 00:274:45 00:275:15 00:275:45 00:276:15 00:276:45 00:277:15 00:277:45 00:278:15 00:278:45 00:279:15 00:279:45 00:280:15 00:280:45 00:281:15 00:281:45 00:282:15 00:282:45 00:283:15 00:283:45 00:284:15 00:284:45 00:285:15 00:285:45 00:286:15 00:286:45 00:287:15 00:287:45 00:288:15 00:288:45 00:289:15 00:289:45 00:290:15 00:290:45 00:291:15 00:291:45 00:292:15 00:292:45 00:293:15 00:293:45 00:294:15 00:294:45 00:295:15 00:295:45 00:296:15 00:296:45 00:297:15 00:297:45 00:298:15 00:298:45 00:299:15 00:299:45 00:300:15 00:300:45 00:301:15 00:301:45 00:302:15 00:302:45 00:303:15 00:303:45 00:304:15 00:304:45 00:305:15 00:305:45 00:306:15 00:306:45 00:307:15 00:307:45 00:308:15 00:308:45 00:309:15 00:309:45 00:310:15 00:310:45 00:311:15 00:311:45 00:312:15 00:312:45 00:313:15 00:313:45 00:314:15 00:314:45 00:315:15 00:315:45 00:316:15 00:316:45 00:317:15 00:317:45 00:318:15 00:318:45 00:319:15 00:319:45 00:320:15 00:320:45 00:321:15 00:321:45 00:322:15 00:322:45 00:323:15 00:323:45 00:324:15 00:324:45 00:325:15 00:325:45 00:326:15 00:326:45 00:327:15 00:327:45 00:328:15 00:328:45 00:329:15 00:329:45 00:330:15 00:330:45 00:331:15 00:331:45 00:332:15 00:332:45 00:333:15 00:333:45 00:334:15 00:334:45 00:335:15 00:335:45 00:336:15 00:336:45 00:337:15 00:337:45 00:338:15 00:338:45 00:339:15 00:339:45 00:340:15 00:340:45 00:341:15 00:341:45 00:342:15 00:342:45 00:343:15 00:343:45 00:344:15 00:344:45 00:345:15 00:345:45 00:346:15 00:346:45 00:347:15 00:347:45 00:348:15 00:348:45 00:349:15 00:349:45 00:350:15 00:350:45 00:351:15 00:351:45 00:352:15 00:352:45 00:353:15 00:353:45 00:354:15 00:354:45 00:355:15 00:355:45 00:356:15 00:356:45 00:357:15 00:357:45 00:358:15 00:358:45 00:359:15 00:359:45 00:360:15 00:360:45 00:361:15 00:361:45 00:362:15 00:362:45 00:363:15 00:363:45 00:364:15 00:364:45 00:365:15 00:365:45 00:366:15 00:366:45 00:367:15 00:367:45 00:368:15 00:368:45 00:369:15 00:369:45 00:370:15 00:370:45 00:371:15 00:371:45 00:372:15 00:372:45 <

00:04:50 - يكفينا القرآن ان قالوا له كيف تحج

وهكذا في سائر العبادات وكسائر الشرائع بينها رسول الله صلى الله عليه وسلم وقد حذر النبي صلى الله عليه وسلم من فتنه اولئك الذين يقولون نكتفي بالقرآن عن السنة فقال للفين الرجل متكتنا على اريكته. وهذا دلالة على انهم اكثروا في الدنيا واعراضه عما -

00:05:07

تعه يأتيه الامر من امرى اي يأتيه الشيء من سنتي فيقول بيننا وبينكم كتاب الله ما حرمه حرمناه وما احل وما استحله احلناه. يعني القرآن فيقول النبي صلى الله عليه وسلم -

بيان ذلك بيان خطأ بيانيه في بيان خطأ ذلك يقول صلى الله عليه وسلم انما حرر رسول الله مثل ما حرر الله ما جاء تحريمه عنه صلى الله عليه وسلم فهو تحريم الله عز وجل لانه المبلغ عنه. كما قال تعالى وما ينطق عن -

00:05:48

الهوى ان هو الا وحي يوحى. ولذلك كل من سمعت منه انه يدعو الى الاعراض عن السنة وعدم الاخذ بها والتهوين لها فاعلم ان في قلبه مرض وان حقيقة دعوته ادرك او لم يدرك هي ترك القرآن. ولذلك قال ايوب السخطيان من قال نأخذ بالقرآن يعني -

00:06:11

فقط فحين ترك القرآن يعني هذا هو الوقت والزمان الذي يترك فيه القرآن امرنا باتباع هديه والأخذ بسنة وهذه دعوه

يروجها بعض من يسمى بالمفكرين ومن يسمى بالمطبعين والمثقفين وغير ذلك وهي دعوه في -

00:06:33

حقيقة عارية عن نور القرآن وعارية عن فهم حقيقة ما بعث الله به سيد الانام. صلوات الله وسلامه عليه. فنسأله جل في علاه ان يقينا واياكم شر اذا وان يلزمك كتابه وسنة رسوله فلا هداية ولا رشد ولا ايمان ولا طاعة ولا استقامة ولا -

00:06:54

ولا نجاح ولا فلاح ولا فوز في الآخرة الا بلزم الكتاب والسنة. الزمان الله كتابه وسنة نبيه وتبعدنا اثار وحشرنا في زمرةه واعاذنا من

الفتن ما ظهر منها وما بطن. وصلى الله وسلم على نبينا محمد -

00:07:16